ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–०२
दिनांक– मंगलवार, 05 जनवरी, 2021

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.0 एवं 9.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 62 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाष अवधि औसतन 6.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.7 एवं दोपहर में 19.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(06–10 जनवरी, 2021)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 06–10 जनवरी, 2020 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले दो दिनों तक आसमान में हल्के बादल रह सकते है। उसके बाद आसमान प्रायः साफ रहने की संभावना है। पूरे पूर्वानुमानित अवधि में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में हल्के कुहासा छा सकता है।
- अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- इस दौरान औसतन 7 से 9 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- नवम्बर माह के शुरु में बोयी गई रबी मक्का की फसल जो 55 से 60 दिनों की अवस्था में है। इन फसलों में 50 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार कर मिट्टी चढ़ावें। मक्का की फसल में तना बेधक कीट की निगरानी करें। इसकी सूंडिया कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर तने में पहुँच जाती है। तने के गुदे को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ती हुई सुरंग बनाती है। जिससे मध्य कलिका मुरझायी नजर आती है जो बाद में सुख जाती है। एक ही पौधे में कई सूंडिया मिलकर पौधें को खाती है। इस प्रकार फसल को यह काफी नुकसान पहुचाती है। उपचार हेतु फसल में फोरेट 10 जी0 या कार्बोफ्यूरान 3 जी0 का 7–8 दाना प्रति गाभा प्रति पौधा दें। फसल में अधिक नुकसान होने पर डेल्टामिथ्रिन 250–300 मि0ली0 प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- सब्जियों वाली फसल में निकाई–गुड़ाई करें। अगात बोयी गयी मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें। इस रोग में पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से वचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का 3 ग्रम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- चने की फसल में फलीछेदक कीट के नियंत्रण हेतु फिरोमोन प्रपंश / 3–4 प्रपंस प्रति एकर की दर से उन खेतों में लगायें। जहाँ पौधों में 15–20 प्रतिषत फूल खिले हों। ज अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न स्थानों में लगायें। यदि कीट अधिक हो तो बी.टी. नियमन का छिड़काव करे।
- गेहूँ की 30 से 35 दिनों (पहली सिंचाई के बाद) की अवस्था जिसमें कई प्रकार के खर–पतवार गेंहूँ में उग आते है। इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है और ये गेहूँ की बढ़वार को अत्यधिक प्रभावित करती है। जिससे उपज में कमी आती है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के रोकथाम हेतु सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्रम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। बिलम्ब से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो 21 से 25 दिनों की हों गयी हो 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेषन करें।
- मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें, जिसमें पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से वचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का 3 ग्रम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- लहसुन की फसल में निकौनी एवं आवष्यकतानुसार सिंचाई करें। झुलसा रोग से बचाव हेतु लहसुन में 2.0 ग्राम मैनकोजेव फफूँदी नाषक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें। इस घोल में 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से गोंद (स्टीकर) अवष्य मिलावें।
- सरसों में सफेद रतुआ (व्हाईट रस्ट) रोग की निगरानी करें। इस रोग का प्रकोप फसल में दिखने पर इसके बचाव हेतु क्लोरथालोंनील दवा 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- बैगन की फसल को तना एवं फल छेदक कीट से बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0 / 1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करे।
- अगात मक्का की फसल जो 50 से 55 दिनों की हो गयी हो, उसमें सिचाई कर 50 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेषन कर मिट्टी चढ़ा दे।

आज का अधिकतम तापमानः 24.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः 13.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी